तर्ज--तुम्ही मेरे मन्दिर
तुम ही मेरे प्रीतम,तुम ही मेरे साहिब
तुम ही प्राणनाथ हो -2
आतम मेरी हर पल चाहे,तुम्हारा ही साथ हो
हर पल का साथ हो-2
1--साथ तुमारा पिया अब नाही छूटे
चाहे जमाना सारा ही रूठे
तेरे ही चरणों का अब आसरा हो
तुम ही मेरे हो,चाहे जहां हो
2--तुमसे बिछड़ के पिया कब तक रहना
मिलना बिछुड़ना अब नही सहना
मिलना वही जो मिल के ना बिछुड़े
हर पल का साथ हो,तुमारा ही साथ हो
3--याद तुम्हारी पिया जब जब आए
कैसे बताऊं वो कितना सताए
तुमसे पिया मेरे कुछ नही कहना
सब जानते हो --

Nijanand App